N A S College, Meerut

One Day Workshop on IPR
11 April 2022

आज दिनांक ११ अप्रैल २०२२ को भारत सरकार द्वारा मनाये जा रहे 'अमृत महोत्सव' के अंतर्गत, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में, "बौद्धिक संपदा अधिकार जागरुकता' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन, वाणिज्य संकाय (एन0ए0एस0 पी0जी0 कॉलेज) एवं वाणिज्य विभाग (चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलित कर माननीय प्राचार्य प्रो0 मनोज कुमार अग्रवाल, श्री सुरजीत पॉल, श्री भरत गोयल एवं श्री हेमंत खोसला द्वारा किया गया।

वाणिज्य मंत्रालय से पधारे वक्ता श्री हेमंत खोसला ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व पर प्रकाश डालते हुये छात्रों को बताया कि किस प्रकार हम लोग इस संबंध में जागरुक होकर अपनी बौद्धिक संपदा की रक्षा कर सकते हैं एवं धनोपार्जन के अहम स्रोत के तौर पर इसका जीवन–पर्यन्त सदुपयोग भी कर सकते हैं। आजकल 'कच्चा बादाम' जैसी विडियोज बनाकर प्रतिदिन लाखों रूपये कमाये जा सकते हैं। इसी प्रकार, घरों में बनाये जाने वाले स्वेटर्स के डिजाइन का भी पेटेंट कराकर धनोपार्जन किया जा सकता है।

प्राचार्य महोदय ने कहा कि बौद्धिक सम्पदा को पेटेंट कराकर न केवल धनोपार्जन किया जा सकता है बल्कि यह ज्ञानार्जन एवं समाज सेवा का एक सशक्त तरीका भी है और इन सबसे ऊपर रचनात्मक संतुष्टि है जो कि अमूल्य है।

पेटेंट राइट्स विशेषज्ञ श्री सुरजीत पॉल ने पेटेंट राइट्स की प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि पेटेंट ऐसा होना चाहिए जिसका उपयोग उद्योग में किसी उत्पाद को बनाने में किया जा सके, केवल थियोरी का पेटेंट नहीं हो सकता।

इस अवसर पर डा0 देवेश शर्मा, डा0 विवेक त्यागी, डा0 चिन्मयी चतुर्वेदी, डा0 देवेश टण्डन, डा0 अजेन्द्र शर्मा, डा0 आर0आर0 भारद्वाज, डा0 कपिल गर्ग, डा0 रीना, डा0 रेखा गर्ग, डा0 सीमा शर्मा, डा0 हेमन्त यादव, श्रीमती अम्बिका कालरा, डा0 श्याम घई, श्री सजंय शर्मा, श्री अभिषेक भाटिया, श्री पंकज, श्री दीपक आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन डा0 प्रवीण ज्योति ने किया।